सामाजिक परिवर्तनों के कारण (Reasons for Social Change)

समाजशास्त्री सामाजिक परिवर्तन क्यों होते हैं, उनके कारणों को खोजने का प्रयास करते हैं। सामाजिक परिवर्तनो के अनेक कारण प्रस्तुत किए गए हैं। सामाजिक परिवर्तनों के कुछ महत्वपूर्ण कारणो का नीचे वर्णन किया गया है —

(i) परिवर्तनो का कोई कारण नहीं होता। वे स्वय ही घटित होते हैं।

(ii) ईश्वर ही परिवर्तनों का स्रोत है। वह सभी वस्तुओ की ऊर्जा का स्रोत है तथा उन्हें आकार देने वाला भी वही है।

(iii) जैसे-जैसे प्राकृतिक पर्यावरण मे परिवर्तन होता है, तदनुसार ही नई स्थितियो में सामजस्य बिठाने हेतु समाज में परिवर्तन होता है।

(iv) सामाजिक संस्कृति के सामारिक पहलुओं मे परिवर्तन आने से समाज मे परिवर्तन होते हैं।

(v) मानव के जैविक विकास के साथ ही सामाजिक परिवर्तन होत ह।

(vi) अभौतिक सम्कृति (मानदड) म परिवतन भोतिक मस्कृति मे परिवर्तन की अपेक्षा सामाजिक परिवर्तना के लिए अधिक महत्वपूर्ण होते ह।

समाजशास्त्री इस बात से सहमत हं कि सामाजिक परिवर्तन का कोई एक कारण नही होता। कई घटक आपस मे अत क्रिया करते हैं जिसके कारण व्यक्तियो तथा समूहो दोना का विघटन होता है, परिवर्तन होता है, नष्ट होते हैं, पुरस्कार मिलता ह तथा अवमानना भी होती ह।